सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, गुरुवार, 24 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 118, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

जाति धर्म पूछकर बहन-बेटियों का सिंदूर उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है

» Pg03

इनसाइड डेयरी पर दूध देने गई किशोरी के साथ गैंगरेप... » Pg06

लेफ्टिनेंट के परिजनों ने सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

कोई नहीं आया वहां, वह जिंदा था, बच सकता था

विनय नरवाल की बहन बोलीं- डेढ़ घंटे तक तड़पा मेरा भाई, जिसने उसे मारा मुझे वो मरा हुआ चाहिए

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

चंडीगढ़/नई दिल्ली। कर्नाटक से एक दिल दहला देने वाली खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल, जो भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएं दे रहे थे, अपने हनीमून के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले का शिकार हो गए। 16 अप्रैल को मंसूरी में अपनी डेस्टिनेशन वेडिंग और 19 अप्रैल को कर्नाटक में रिसेप्शन के बाद, विनय और उनकी पत्नी हिमांशी ने 21 अप्रैल को कश्मीर में हनीमून शुरू किया था। लेकिन 23 अप्रैल को, शादी के महज एक हफ्ते बाद, विनय की जिंदगी एक भयावह त्रासदी में बदल गई।

पहलगाम के बाइसरण घाटी में आतंकियों ने हमला कर दिया, जिसमें विनय की मौत हो गई। हिमांशी, जो पास ही बैठी थीं, ने एक वीडियो में बताया, मैं अपने पति के साथ भेल पूरी खा रही थी। अचानक एक व्यक्ति आया और सब खत्म हो गया। विनय का शव एक भूरे मैदान पर पड़ा था, पास में उनका काला बैकपैक पलटा हुआ था। हिमांशी सदमे में हैं और कहती हैं, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि जिसके साथ मैंने जिंदगी की नई शुरुआत की, वह अब नहीं है। 40 दिनों तक चले उनके शादी समारोह में शामिल होने के बाद, विनय और हिमांशी ने कश्मीर की खूबसूरत वादियों में कुछ पल बिताने का फैसला किया था। लेकिन सपनों का यह सफर एक दुःस्वप्न में बदल गया।

एक मई को था जन्मदिन

विनय के दादा हवा सिंह, जो हरियाणा पुलिस से रिटायर्ड हैं, ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि यह यात्रा इस तरह खत्म होगी। वह नौसेना में शामिल होना चाहता था, और उसने अपने सपने को पूरा किया। विनय के पड़ोसियों और दोस्तों ने भी उनके जन्मदिन की तैयारियों की बात की, जो 1 मई को होने वाला था। उनके पिता राजेश कुमार, एक सुपरिंटेंडेंट, और मां आशा देवी, जो पंचायत में कार्यरत हैं, सदमे में हैं। विनय की बहन श्रुति ने पूछा, मेरे भाई का क्या कसूर था?

नायब सिंह सैनी से बातचीत करते हुए विनय की बहन ने आपा खो दिया। उन्होंने रोते हुए कहा, 'कोई नहीं आया डेढ़ घंटा तक। वहां कोई भी नहीं आया, वह जिंदा था और कोई आता तो वह बच सकता था। वहां आर्मी होती तो वह बच सकता था। इसके आगे वह रोते-चिल्लाते हुए कहती हैं कि मुझे वह मरा हुआ चाहिए, जिसने मेरे भाई को मारा। इस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वह मरेगा, जिसने विनय नरवाल को मारा।'

अंतिम संस्कार पर नायब सिंह ने किया शोक व्यक्त

23 अप्रैल को विनय का अंतिम संस्कार कर्नाटक में किया गया। इस दौरान मूडल टाउनशिप पुजारी, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शोक व्यक्त किया। नायब सिंह सैनी ने कहा, हम तेजी से न्याय सुनिश्चित करेंगे। विनय के दोस्तों ने बताया कि वह स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहे थे, लेकिन कश्मीर में अनुमति नहीं मिलने के कारण यह यात्रा रद्द कर दी गई थी।

भाइयों ने भी रक्षा बलों की कमी पर उठाए सवाल

स्थानीय लोगों और विनय के परिजनों ने रक्षा बलों की कमी पर सवाल उठाए। कर्नाटक के विधायक योगेंद्र सिंह राणा ने कहा कि नौसेना के जवान की मौत रक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। विनय के चचेरे भाई आदम दिनेश ने कहा, हम इस दुख को कभी नहीं भूल पाएंगे। यह घटना न केवल एक परिवार की त्रासदी है, बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है। यह नौसेना की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन, विकास और संचालन में भारतीय नौसेना की बढ़ती हुई क्षमता को दर्शाती है और रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

डरे हुए पाकिस्तान में हाईलेवल मीटिंग जारी

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ताबड़तोड़ एक्शन से पाकिस्तान में डर पैदा हो गया है। इसको लेकर पाकिस्तान में हाईलेवल मीटिंग चल रही है। पाकिस्तान को पूरा भरोसा है कि भारत जवाबी कार्रवाई कर सकता है।

27 अप्रैल तक देश छोड़ने का अल्टीमेटम

पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में, भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रभाव से वीज़ा सेवाएं निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीज़ा 27 अप्रैल 2025 से रद्द कर दिए जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीज़ा केवल 29 अप्रैल 2025 तक वैध होंगे। वर्तमान में भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को संशोधित वीज़ा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ देना चाहिए। भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सख्त सलाह दी जाती है। वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी जल्द से जल्द भारत लौटने की सलाह दी जाती है।

ऊधमपुर के बसंतगढ़ में मुठभेड़, एक जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के डुडु बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई इस दौरान एक जवान शहीद हो गया है। सेना ने कहा, शुरुआती मुठभेड़ में हमारे एक बहादुर जवान को गंभीर चोटें आईं और बाद में बेहतरीन चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी मौत हो गई। सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिक की पहचान 6 पैरा के हवलदार जंटू सिंह के रूप में हुई।

आईएनएस सूरत युद्धपोत से मिसाइल परीक्षण किया

सोचा नहीं होगा, ऐसी सजा देंगे

आ गया आतंकियों के मिट्टी में मिलने का समयः मोदी

» नई दिल्ली, एजेंसी।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी है। बिहार के मधुबनी में पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, पहलगाम के आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा, उन्हें मिट्टी में मिला दिया जाएगा। यह कड़ा संदेश आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाता है। इस दौरान उन्होंने 22 अप्रैल को हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी और लोगों से कुछ पल मौन रखने की अपील की।

पीएम मोदी ने कहा कि यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।

तू लाख बेवफा है,मगर सर उठा के चल...!

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। नए दीवाने की ओर से मंगलवार की शाम कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नामचीन शायरों एवं कवियों की महफ़िल सजी।तू लाख बेवफा है मगर सर उठा के चल,दिल रो पड़ेगा तुझको पेशेमान देखकर। सोचा नहीं था कभी मैंने तेरे जैसा शख्स मुंह फेर लेगा, मुझको परेशान देखकर।

- **शायरों ने एक से बढ़कर एक शायरी पेश कर लूट ली महफिल**
- **हिमांशी बाबरा के माइक थामते ही मैदान तालियों से गूंज उठा**
- **बिल्हौर में नए दीवाने संस्था की ओर से किया गया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन**

कम उम्र की फेमस शायरा हिमांशी बाबरा ने ज़ब अपना यह शेर पढ़ा तो नई पीढ़ी के युवा दाद देते नहीं थके। शायर आदिल रशीद की ज़ब बारी आई तो उन्होंने कई नये शेर पढ़े। उसकी हर एक याद में लज्जत होती है पहली मोहब्बत पहली होती है। तेरे साथ नहीं है तो अहसास हुआ, एक तस्वीर की कितनी क़ीमत होती है। उन्होंने यह शेर सुनाकर महफ़िल लूट ली। इसके बाद माइक पर दिग्गज शायर अज्म शाकिरी ने कई शेर एवं गजल पढ़ें तो मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जहाज देवबन्दी ने पब्लिक का माहौल समझकर उनके हिसाब की शायरी पढ़ी। जिसमें उन्होंने खूब वाहवाही लूटी। इसके साथ ही अभिश्रेष्ठ तिवारी, अमीर इमाम, आदिल रशीद, शहबाज़ तालिब,सलमान जफर, मशकूर ममनून, शादाब जावेद, ,जानी लखनवी,गुलजेर अदीबा, ,दर्द फैज खान,अक्षिता सफीना, औसाफ़ रुदौलवी,रियाल अहमद ने अच्छे कलाम एवं शायरी पेश कर बिल्हौर की शाम को रंगीन कर दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बिल्हौर नगर पालिका अध्यक्ष इख़लाक़, बिल्हौर इंटर कॉलेज के प्रबंधक प्रभाकर श्रीवास्तव,चंद्र शंकर मिश्रा,रसूलाबाद के हाजी फैजान, बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राजकुमार सिंह, अनवार बेग, मार्शल अवस्थी,राहुल त्रिपाठी, गुफरान कुरैशी आदि ने संयुक्त रूप से पिता काटकर किया। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता विनय गौतम, पत्रकार रफीक, अनूप वर्मा, जिया अहमद, फैजान बेग, अफजाल बेग, तौफ़ीक़,जीशान जेकी, आयुष यादव, सरताज, अफसार, आशिफ उर्फ़ दीपू, समेत मकनपुर व आसपास के के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

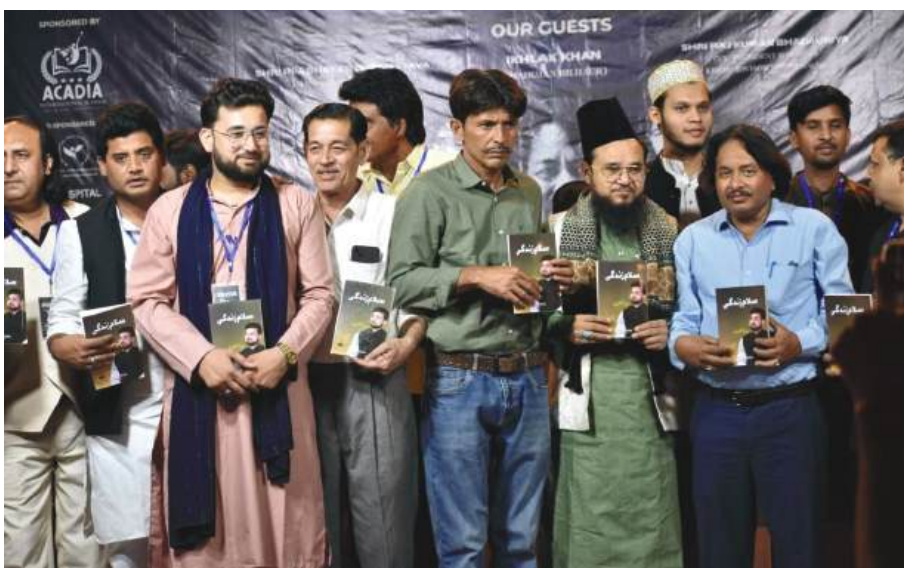

बिल्हौर के शायरों ने भी पढ़ी शायरी

बिल्हौर। ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन में ज़ब दिग्गज शायरों के बीच बिल्हौर के शायर मुस्तवीन बिल्हौरी,रहबर, और अर्सलान बेग आरिश, दिलशाद ने शायरी को पढ़ी तो मंच पर मौजूद शायर एवं पब्लिक ने खूब दाद दी।

सलाम-ए-जिंदगी किताब का भी विमोचन

बिल्हौर। मुशायरा एवं कवि सम्मेलन के कार्यक्रम का संचालन कर रहे शायर सैयद डॉक्टर आसिम मकनपुरी द्वारा लिखी पहली किताब सलाम-ए-जिंदगी का विमोचन किया गया । किताब का विमोचन सैयद मिस्बाहउल मुराद ने किया। हासिम मकनपुरी ने बताया कि उनकी यह पहली किताब है।जिसका विमोचन किया गया। उन्होंने बताया कि वह एक किताब और लिख रहे हैं।

जच्चा-बच्चा वार्ड में पकड़ा गया संदिग्ध आरोपी

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। हैलट के जच्चा बच्चा अस्पताल के वार्ड सात में करीब 180 कारतूस और जर्मन मेड रिवाल्वर लेकर घूम रहे सजायाफ्ता अपराधी ने सुरक्षा तंत्र पर सवाल उठाया। यह तब हुआ जब एक दिन बाद शहर में प्रधानमंत्री का आगमन था और एक दिन पहले पहलगाम में आतंकी घटना के बाद हाई अलर्ट था।शहर की पुलिस और खुफिया तंत्र पूरी तरह से सक्रिय था। इसी बीच अपराधी खुलेआम बैग में जेवर, रिवाल्वर और भारी मात्रा में कारतूस लेकर घूमते पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि अपराधी से बरामद माल काकादेव में पूर्व पुलिस अधीक्षक हरी सिंह के घर हुई चोरी का था। 12 अप्रैल को उनके घर चोरी हुई थी और उनके केयरटेकर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। छह माह पहले ही अपराधी जेल से छूटा था, उस पर करीब एक दर्जन मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं।स्वरूपनगर पुलिस ने काकादेव निवासी पूर्व पुलिस अधीक्षक हरी सिंह के घर हुई चोरी का खुलासा किया है। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए अपराधी ने अपना नाम रवि उर्फ पवन चौरसिया निवासी जेके मंदिर, कच्ची मड़ैया लोहारन भट्ठा बताया है। डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि 12 अप्रैल को काकादेव में रहने वाले पूर्व पुलिस अधीक्षक हरी सिंह के केयरटेकर ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।बताया था कि हरी सिंह इस मकान में अब नहीं रहते हैं। उनका परिवार भी बाहर रहता है। बुधवार सुबह हैलट के जच्चा बच्चा अस्पताल के पास एक युवक नशे में मिला। उसकी तलाशी लेने पर एक लाइसेंसी रिवाल्वर मिली। उसके पास से सोने-चांदी के जेवर और भारी संख्या में कारतूस बैग में मिले। नशे में होने के कारण वह कुछ बता नहीं पाया। नशा उतरा तो उससे सख्ती से पूछताछ हुई।

इस पर उसने अपना नाम और पता बताया। पुलिस ने रिवाल्वर का नंबर लेकर जिलाधिकारी कार्यालय से जानकारी ली तो वह हरी सिंह के घर से चोरी की गई निकली। जेवरों की जांच हुई तो वह भी सोने व चांदी के निकले। डीसीपी के अनुसार बदमाश रवि के पास से 157 कारतूस 315 बोर, 22 कारतूस 32 बोर और 12 बोर के कारतूस मिले हैं। चोरी गया जेवर, नगदी और मोबाइल भी बरामद हुआ है। उसके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा चोरी के मुकदमे दर्ज हैं।

जाति धर्म पूछकर बहन-बेटियों का सिंदूर उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है: सीएम योगी

कानपुर पहुंचकर शुभम द्विवेदी को सीएम योगी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले में असमय दिवंगत हुए महाराजपुर के हाथीपुर गांव निवासी शुभम द्विवेदी के पैतृक आवास पर पहुंच कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया।सीएम ने प्रभु श्री राम से प्रार्थना कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सीएम योगी ने कहा कि जिस तरीके से आतंकवादियों ने मां-बहनों के सिन्दूर के साथ बर्बरता की है उसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को सजा जरूर मिलेगी।

पहलगाम की घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांस ले रहा है, जाति और धर्म पूछकर बहन-बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है। पहलगाम की घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांस ले रहा हैज्जाति और धर्म पूछकर बहन-बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है। शुभम द्विवेदी को श्रद्धांजलि देने के लिए भाजपा सहित तमाम दलों के लोग भी उनके गांव पहुंचे थे। शुभम का राजकीय सम्मान के साथ गंगा के किनारे ड्योढ़ी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

सीटीआई नहर की सफाई के लिए उतरा पार्षद दल

पहले इस तरह का नज़ारा था

भाजपा पार्षद वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा सफाई कर दिया गया स्वच्छता का संदेश

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। देश स्वच्छता अभियान के दौरान भाजपा पार्षद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सीटीआई नहर पर अभियान चलाया गया। प्रातः 7ः00 बजे से स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया साथ नगर निगम के तमाम कर्मचारी पोकलैंड मशीन,जेसीबी,आदि सभी गाड़ियों के साथ कानपुर नगर निगम के सुपरवाइजर कर्मचारी समिति के सदस्यों के साथ 11ः00 बजे तक 500 मी नहर जो गंदगी से पटा हुआ था उसे साफ सुथरा कर स्वच्छ जल प्रकट कर दिया गया।

सफाई के बाद नहर का बदला स्वरूप

जिसमें कर्मचारियों व नागरिकों ने नहा कर दिखाया। भाजपा वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक पब्लिक अध्यक्ष अमित पांडे एवं भाजपा पार्षद दल के नेता नवीन पंडित सहित सभी पार्षद नगर निगम के कर्मचारी नेता विनोद कुमार कानपुर के मारे गए नागरिक के प्रति और और पहलगांव में कश्मीर जहां निर्मम हत्याएं कर दी गई । उन लोगों के प्रति 2 मिनट शोक प्रकट करत किया तथा साथ में आतंकवादियों को सबक सिखाने के लिए सरकार से मांग की और उनकी आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना किया सभी लोगों ने सरकार से मांग की सभी आतंकवादियों को गिरफ्तार करें और फांसी की सजा दी जाए।

पार्षद वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक अमित पांडे बंटी ने कहा कि नहर के पास जल्द जाल लगवा कर और अच्छा से अच्छा व्यवस्था कराई जाएगी जिससे यहां पर गंदा पानी और गंदगी जमाना होने पर और लोग नहर के पास शाम को बैठकर शुद्ध हवा का आनंद ले सके । पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, सौरभ देव, आकर्ष बाजपेई, नीरज गौतम, नीरज कुरील, प्रदीप मिश्रा पूर्व पार्षद नीरज गुप्ता जागेश्वर अवनीश यादव सफाई कर्मचारी नेता विनोद कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बड़ा चौराहा पर ई रिक्शों की अराजकता से लगा जाम

छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी भीषण गर्मी में जाम में फंसे

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। बुधवार को बड़ा चौराहा पर ई रिक्शों की अराजकता के कारण भीषण जाम लगा रहा। हजारों राहगीरों के साथ छोटे छोटे स्कूली बच्चे भी उमस भरी गर्मी में बिलबिलाते रहे। कई महत्वपूर्ण मार्गों पर आधी सड़क तक दुकानें लगाई जा रही हैं जिससे जाम लग रहा है। ये जाम कोई एक बार नहीं बल्कि हर दिन कई कई बार लगता है लेकिन ट्रैफिक पुलिस का कोई होमवर्क नहीं है। कोकाकोला चौराहा यू टर्न- जीटी रोड पर कोका कोला चौराहा को बेरीकेडिंग करके बंद कर दिया गया है और उसके स्थान पर थोड़ा आगे यू टर्न बना दिया गया है। यहां जाम नहीं लगता है और यातायात आसानी से चलता रहता है लेकिन यहीं यू टर्न के पास टीएसआई से लेकर ट्रैफिक पुलिस, होमगार्ड सब एक जगह मिल जाएंगे जबकि कोकाकोला क्रासिंग बंद होने

की स्थिति में नजीराबाद थाना के सामने तक भीषण जाम लगता है। जूही ढाल पुलः अफीमकोठी चौराहा से जूही ढाल होते हुए लाखों की संख्या में लोगों का उत्तर-दक्षिण आवागमन है। यहां परमपुरवा मोड़ जूही ढाल पर शाम को अक्सर जाम लगता है लेकिन दिन में यहां कोई जाम नहीं होता है लेकिन दिन भर यहां ट्रैफिक सिपाहियों व होमगार्ड की ड्यूटी लगती है और शाम को यहां कोई ट्रैफिक व्यवस्था नहीं होती। यहां जूही थाना पुलिस ही जाम से मोर्चा संभालती है।

सम्पादकीय

भारत के लिये पाक पर पलटवार का मौका

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है।बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था।

राजनीतिक नजरिये से बहुत कुछ मायने रखता है!!

पहलगाँव आतंकी हमला

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को आतंकी हमला किया गया। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर गोलीबारी की, निश्चित रूप से एक निंदनीय और अमानवीय कृत्य है। यह घटना न केवल धार्मिक आधार पर नफरत और हिंसा को दर्शाती है, बल्कि राजनीतिक दृष्टिकोण से भी गहरे निहितार्थ रखती है।

धार्मिक आधार पर यह हमला नफरत और कट्टरता का प्रतीक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आतंकियों ने हिंदुओं को निशाना बनाया और कुछ मामलों में जबरन कलमा पढ़ने के लिए दबाव डाला, जो न मानने वालों को गोली मार दी गई। यह कृत्य किसी भी धर्म के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि सभी धर्म मानवता, शांति और सह-अस्तित्व की बात करते हैं।

इसे किसी धार्मिक चोले में ढालना केवल हिंसा को औचित्य देने की कोशिश है, जो किसी भी नैतिक या आध्यात्मिक दृष्टिकोण से स्वीकार्य नहीं है।

राजनीतिक दृष्टिकोण से यह हमला कश्मीर में शांति और पर्यटन के पुनरुत्थान को अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। पहलगाम, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' कहा जाता है, पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है, और हाल के वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह हमला, क्षेत्र में अशांति फैलाने और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास हो सकता है।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है, और सूत्रों के अनुसार, आतंकी पाकिस्तान से संचालित हो सकते हैं।इस हमले ने कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर गहरा आघात पहुंचाया है, क्योंकि कई पर्यटक क्षेत्र छोड़ रहे हैं। अगर ऐसे नजारे और बढ़े तो यहाँ के लोगों का रोजगार प्रभावित हो जाएगा।

यह मेरा निजी विचार है कि

यह हमला न केवल धार्मिक कट्टरता का घिनौना प्रदर्शन है, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति भी प्रतीत होती है। जो कि मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है।

-श्याम सिंह 'पंवार'
वरिष्ठ पत्रकार

पारग्रही जीवन के संकेतों की तलाश में बड़ा कदम

डॉ. मधुसूदन की खोज

डॉ. शशांक द्विवेदी

दूसरे ग्रहों पर जीवन की मौजूदगी का पता लगाने में वैज्ञानिक जुटे हैं। भारतीय वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन की खोज इस दिशा में काफी अहम है। जिन्होंने टेलीस्कोप से 120 प्रकाश वर्ष दूर सौरमंडल के बाहर के ग्रह के2-18बी को देखने पर पाया कि यह ग्रह हाइसीन वर्ल्ड है- यानी जहां प्रचुर पानी और हाइड्रोजन भरा वातावरण जीवन के लिए अनुकूल हो।

काफी समय से यह सवाल उठता रहा है कि क्या पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड के किसी दूसरे ग्रह पर जीवन मौजूद है? क्या किसी ग्रह पर एलियंस की मौजूदगी है-एलियंस का घर है? इन सवालों का जवाब जानने और नए-नए ग्रहों की खोज करने में हजारों वैज्ञानिक दिन-रात जुटे हुए हैं। मगर अब एक भारतीय वैज्ञानिक को अपनी खोज में ऐसी सफलता हाथ लगी है, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है।

भारतीय वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन ने एक ऐसी खोज की है, जिससे दुनिया आश्चर्यचकित है। आईआईटी - बीएचयू और एमआईटी से पढ़े इस वैज्ञानिक ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अपनी टीम के साथ जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से 120 प्रकाश वर्ष दूर एक खास ग्रह के2-18बी (च2-18ङ्क) को देखा-परखा।

डॉ. मधुसूदन की खोज में इस ग्रह पर जीवन के पुख्ता संकेत मिले हैं। इनमें डाइमिथाइल सल्फाइड (डीएमएस) नाम का एक खास अणु मिला है जो पृथ्वी पर सिर्फ जीव बनाते हैं- जैसे समुद्री पौधे। वहां मीथेन और

कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें भी हैं, जो बताती हैं कि ग्रह हाइसीन वर्ल्ड है- यानी ऐसा ग्रह, जहां ढेर सारा पानी और हाइड्रोजन भरा वातावरण हो, जो जीवन के लिए उपयुक्त हो सकता है।डॉ. मधुसूदन ने ही सबसे पहले हाइसीन ग्रहों की बात दुनिया को बताई थी। उनकी खोज 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' में छपी है और इसे अब तक का सबसे बड़ा जीवन का सबूत माना जा रहा है। यह खोज उस सवाल को भी हवा देती है कि अगर ब्रह्मांड में जीवन है, तो हमने अब तक एलियंस क्यों नहीं देखे? डॉ. मधुसूदन का जवाब है कि अगर इस ग्रह पर जीवन मिला, तो शायद हमारी आकाशगंगा में जीवन हर जगह हो!

डॉ. निक्कू मधुसूदन ने पहले के2-18बी ग्रह को खोजा , फिर रिसर्च में पता किया है कि इस ग्रह के वायुमंडल में हाइड्रोजन मौजूद है। इस ग्रह के वायुमंडल में भारी हाइड्रोजन पायी जाती है। रिसर्च के दौरान ये भी पता चला है कि इस ग्रह पर महासागर है। ऐसे में यहां जीवन की संभावना काफी है। बता दें कि यह ग्रह पृथ्वी से 120 लाइट इयर दूर यानी 1.13 ट्रिलियन किलोमीटर दूर है। तारा के2-18 हमारे सूरज की तुलना में छोटा और नया है। इसकी मोटाई सूरज की 45 फीसदी और आयु लगभग पौने तीन अरब साल है। ध्यान रहे, हमारे सूरज की उम्र का हिसाब पांच अरब साल के आसपास लगाया गया है। के2-18 की सतह का तापमान भी सूरज के आधे से थोड़ा ही ज्यादा है। इसका तकनीकी नाम ब्राउन ड्वार्फ है लेकिन अभी हम 'लाल तारा' ही चलाते हैं।

इस तारे के इर्दगिर्द घूमने वाला भीतर से दूसरा ग्रह के2-18बी पृथ्वी से काफी बड़ा है। इसकी त्रिज्या पृथ्वी की ढाई-तीन गुनी है। इस हिसाब से इसका वजन पृथ्वी का 20-25 गुना होना चाहिए था, बशर्ते इसकी बनावट पृथ्वी जैसी ही होती। लेकिन वजन में यह पृथ्वी का साढ़े आठ से दस गुना ही है। इससे एक बात साफ है कि इसका घनत्व पृथ्वी से काफी कम है। ऐसा वहां लोहा कम होने के चलते भी हो सकता है।

डेयरी पर दूध देने गई किशोरी के साथ गैंगरेप

आरोपी लड़की को खेत में खींच ले गए, मुकदमा हुआ दर्ज

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। जहां कुछ युवकों द्वारा एक किशोरी से गैंगरेप और दरिंदगी करने की घटना सामने आई है। किशोरी के गांव के ही युवकों ने किशोरी को खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने किशोरी का डॉक्टरी परीक्षण कराया है और तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है।

आपको बता दें कि पूरा मामला हरदुआगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का है जहां गांव के ही रहने वाले कुछ युवकों द्वारा एक किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद पीड़िता रोते हुए अपने घर पहुंची और अपनी मां से पूरी बात बताई। इसके बाद यह घटना गांव के लोगों को पता चली तो वह भी थाने पहुंच गए और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करी। वहीं पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हरदुआगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला अपनी तीन बेटियों के साथ गांव में रहती है। उसके पति का देहांत हो चुका है और बेटा गाजियाबाद में रहकर नौकरी करता है। महिला ने अपने घर में दुधारू पशु पाल रखे हैं और उनका दूध हर दिन डेयरी में बेचकर अपना खर्च चलाती है।

पीड़ित किशोरी मंगलवार की शाम को दूध बांटने गई थी। इसी दौरान डेयरी संचालक ने ही किशोरी को अपने तीन साथियों के दबोच लिया और उसे खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़ित के परिजनों ने बुधवार को थाने पहुंचकर शिकायत करी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ सर्जना सिंह समेत फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद तत्काल 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी पंकज पुत्र संतोष और रवि पुत्र अजयपाल को गिरफ्तार कर लिया है।

वही घटना को लेकर सीओ सर्जना सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

12 हजार बच्चों की फीस हड़पने के मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

फिट-जी के ठिकानों पर सुबह से चल रही रेड

» कोचिंग संस्थान और मालिक के बैंक खाते सीज

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एफआईआईटी जेईई कोचिंग धोखाधड़ी के मामले में संचालकों के दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम के 10 ठिकानों पर छापा मारा और मालिक डीके गोयल के नोएडा और दिल्ली के आवास को टीमों ने खंगाला। आरोप है कि हाल ही में करीब 12 हजार बच्चों की फीस लेकर कोचिंग बंद कर दी थी। लखनऊ समेत यूपी के कई जिलों में कंपनी के खिलाफ सर्वाधिक मुकदमे दर्ज किए गए थे। ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय की टीमें छानबीन कर रही हैं।

ईडी की टीमें तड़के करीब 4 बजे सेक्टर 62 स्थित फिट-जी सेंटर सहित अन्य स्थानों पर पहुंचीं। सूत्रों के मुताबिक, नोएडा सेंटर से दो गाड़ियों में सवार छह सदस्यों वाले ईडी की टीम ने कार्रवाई के दौरान कई अहम दस्तावेजों की जांच की है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश और दिल्ली में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर की जा रही है, जिसमें कोचिंग संचालकों पर धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं।

कई राज्यों में हुआ मुकदमा

इस साल जनवरी में देशभर के कई फिट-जी सेंटर अचानक बंद कर दिए गए थे।

अभिभावकों का आरोप है कि संस्थान ने पूरे साल की फीस पहले ही वसूल ली थी, लेकिन सेंटर बंद करने की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई। इस कदम से करीब 12,000 छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हुई और उनके करियर पर संकट मंडराने लगा। यूपी, दिल्ली, एमपी और बिहार जैसे राज्यों में सेंटर बंद होने के बाद कई जगहों पर संस्थान के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई है। फरवरी में नोएडा पुलिस ने कोचिंग संस्थान से जुड़े बैंक खातों में सीज कर दिया था। इसके अलावा मालिक डीके गोयल के बैंक खातों में मौजूद 11 करोड़ 11 लाख रुपये सीज किए गए हैं।

इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले फिट-जी सेंटर के अचानक बंद होने से 12 हजार छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है।

30 साल से फरार आतंकी मंगत सिंह दबोचा, हड़कंप

गाजियाबाद में एक साल से रह रहा था किराए पर

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस और एटीएस की नोएडा टीम ने बुधवार देर रात प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स के फरार आतंकी मंगत सिंह को दबोच लिया। आतंकी मंगत सिंह को विवेकानंद नगर से गिरफ्तार किया गया है जो 30 साल से फरार चल रहा था।

सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त में आए खालिस्तानी कमांडो फोर्स से जुड़ा आतंकी मंगत सिंह उर्फ मंगा को पुलिस आज कोर्ट में पेश करेगी। आरोपित को एटीएस और साहिबाबाद पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आतंकी 35 साल पहले विवेकानंद नगर में किराए पर रहा था। विवेकानंद नगर निवासी वीर सिंह के मकान में एक साल मंगत सिंह एक महिला के साथ रहा था।

वीर सिंह की पत्नी बाला देवी का कहना है कि वह बीते 50 वर्षों से इस मकान में रह रहे हैं। मंगत सिंह वर्ष 1990 में एक महिला के साथ जब किराए पर रहने आया था तब उसने महिला को अपनी पत्नी बताया था। खुद एक निजी कंपनी में नौकरी करना बताया था।

मंगत सिंह और महिला किसी पड़ोसी से ज्यादा बात नहीं करते थे। वर्ष 1990 के आखिरी दिनों में मंगत सिंह को पुलिस गिरफ्तार करके ले गई थी। उसकी पत्नी भी कुछ दिन बाद ही मकान खाली करके चली गई थी। उसके बाद उन्हें कुछ नहीं पता है।

डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल का कहना है कि मंगत सिंह को एटीएस के साथ साहिबाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित पर साहिबाबाद थाने में चार मुकदमे दर्ज हैं। मंगत सिंह को एडिशनल सिविल जज जूनियर डिविजन कोर्ट संख्या चार के सामने दोपहर बाद पेश किया जाएगा।

25,000 रुपये का था ईनाम

मगत सिंह कई मुकदमों में लगातार फरार चल रहा था, जिस पर गाजियाबाद पुलिस द्वारा 25,000 रुपये का ईनाम भी घोषित किया गया था। मगत सिंह उर्फ मंगा का सगा भाई संगत सिंह पुत्र गुरदत्त सिंह प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स का चीफ था जो कि साल 1990 में पंजाब पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था।

पहलगाम हमला: पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन

सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया, दिल्ली में मुर्दाबाद-मुर्दाबाद के लगे नारे

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली/लखनऊ। पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के विरोध में आज गुरुवार को दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के पास सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर सैलानी थे। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाते हुए और तख्तियां लेकर पड़ोसी देश के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की और पाकिस्तान पर भारत में आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता भी शामिल थे। साथ ही 'एंटी-टेरर एक्शन फोरम' जैसे कई सामाजिक संगठनों ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। 'एंटी-टेरर एक्शन फोरम' के एक सदस्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ''इससे पहले सरकार ने 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी। हम आतंकवाद को खत्म करने के लिए फिर से उसी तरह की कार्रवाई की मांग करते हैं। यह निर्दोष पर्यटकों पर एक शर्मनाक हमला था।''

उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि सरकार ने पहले ही योजना बना ली होगी।'' इस बीच, कई संगठनों द्वारा प्रदर्शन का आह्वान किए जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि उच्चायोग से करीब 500 मीटर की दूरी पर अवरोधक लगाए गए हैं और प्रदर्शनकारियों को वहीं रोक दिया गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हमें सूचना मिली है कि कई संगठनों ने पाकिस्तान उच्चायोग के पास त्रिमूर्ति चौक पर प्रदर्शन का आह्वान किया है। हमने इलाके में अवरोधक लगाए हैं और किसी को भी कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि यातायात में ''आवश्यक'' मार्ग परिवर्तन किया गया है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों पर चढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक लिया और वहां से हटा दिया।

आतंकियों को फांसी पर लटकाए मोदी सरकार

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश आक्रोश पनप रहा है। यूपी के शहरों में जगह-जगह लोग कैंडल मार्च निकाल रहे हैं। लोग प्रदर्शन करके 28 निर्दोष लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों को पकड़ककर फांसी पर लटकाने की मांग कर रहे हैं। इस दौरान लोगों ने आतंकियों और पाकिस्तान के मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। चौक-चौराहों पर केवल पहलगाम आतंकी हमले की ही चर्चा चल रही है।

संभल जिले में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों का गुस्सा उनकी आंखों में नजर आया। ग्रेटर नोएडा के पैरामाउंट गोल्फ फारेस्ट सोसाइटी के निवासियों ने कैंडल मार्च निकाला। इस मौके पर लोगों ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ अब मोदी सरकार को बड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए सैलानियों की याद में कानपुर में श्रद्धांजलि कैंडिल मार्च का आयोजन किया गया। मार्च की शुरुआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमा, मोतीझील से हुई और यह मेडिकल कॉलेज गेट तक पदयात्रा के रूप में सम्पन्न

पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित करने की मांग

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा पहलगांव में हिन्दू धर्म के लोगों को निशाना बनाकर की गई हृदय विदारक और अमानवीय घटना के विरोध में कानपुर में आक्रोश फूट पड़ा। इस नृशंस कृत्य में मारे गए स्व. शुभम द्विवेदी सहित सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु सैकड़ों युवाओं ने एकजुट होकर कैंडल मार्च निकाला और पाकिस्तान का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

पाकिस्तानी आतंकियों की बर्बरता के खिलाफ कानपुर में कैंडल मार्च

कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे संयोजकों में दिव्यांशु द्विवेदी, आशीष गुप्ता, शक्ति चंदेल, युवराज सिंह, अर्चित राजपूत, आदर्श बाजपेई, विशाल भारती, अभिषेक, मुन्ना तिवारी और कृष्णा आदि ने कहा कि यह हमला न केवल एक समुदाय पर, बल्कि पूरे मानवता पर किया गया है।

पाकिस्तान की धरती से लगातार फैल रहे आतंकवाद के खिलाफ अब मौन नहीं रहा जा सकता।

वक्ताओं ने कहा कि यह मांग अब केवल भारत की नहीं बल्कि पूरे विश्व की होनी चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र पाकिस्तान को फ्रआतंकवादी राष्ट्रफ्र घोषित करे, ताकि आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देशों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लग सके।

कैंडल मार्च में युवाओं के साथ-साथ आम नागरिकों ने भी भाग लिया और सभी ने नम आंखों से शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ कड़े नारे लगाए गए और यह संकल्प लिया गया कि देश की एकता और अखंडता के लिए हर स्तर पर आवाज़ उठाई जाएगी।

हम थाने में लग गए हैं कोई काम हो तो बताना

» थाने के दलाल के बिगड़े बोल से लोग परेशान

» खुद को थाने में लगा होना बताता है युवक

» एक दरोगा साहब से नजदीकी के चलते बढ़े हौसले

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हम थाने में लग गए हैं कोई काम हो तो बताना। अब यह कानपुर के बिल्हौर में जुमला जैसा बन गया है। बिल्हौर थाने के एक दलाल के कारनामों से लोग तंग आ गए हैं। कस्बे का कोई भी प्रार्थना पत्र जाता है उसमें दलाल हस्तक्षेप करता है। कई लोग इस दलाल से परेशान हैं।पूर्व में एक दरोगा का इसके ऊपर हाथ था। जिसके चलते यह लोगों पर रूआब भी गांठता है। बताया जाता है कि हर छोटे बड़े काम में इसकी उपस्थिति रहती है। कस्बे की भोली भाली जनता इसे पुलिस विभाग का कोई कर्मचारी मानने लगी है। जिसका फायदा यह उठाता है। और दिन से लेकर देर रात तक थाने के आसपास दिखाई देता है। पुलिस के कार्यों में अतिरिक्त हस्तक्षेप रहने के कारण यह अब लोगों की आंखों की किरकिरी बन गया है। इससे पुलिस विभाग की भी खूब बदनामी हो रही है।अब देखना यह होगा उच्चअधिकारी क्या एक्शन लेते हैं।

साहब का ट्रांसफर होने के बाद दलाल मार रहा हाथ पैर

बिल्हौर। जिस दरोगा साहब का दलाल युवक के ऊपर हाथ था। वही चर्चित दलाल दरोगा साहब को लोगों को अपना करीबी बता कर ठगता था। अब उन साहब का तो ट्रांसफर हो चुका है। सूत्रों की मानें तो दरोगा साहब के जाने के बाद एक दो दिन तक दलाल थाने में नहीं दिखा। लेकिन वह फिर से हाथ पैर मारने लगा है।कस्बे के एक युवक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह युवक लोगों पर पुलिस का डर दिखाकर दुश्मनी भी निकालता है। सूत्र बताते हैं कि लोगों के साथ-साथ कुछ पुलिसकर्मी भी इस दलाल युवक से परेशान हैं।एक युवक ने यह भी बताया कि यह पुलिस लिखी बाइक से कस्बे में घूमता है। इसके साथ घुंघराले बाल वाला एक युवक भी साथ में रहता है।

ईएसआईसी अस्पताल किदवईनगर में गहरी हैं भ्रष्टाचार की जड़ें,निदेशक मौन

» आरोप कि असली मरीज इलाज के इंतज़ार में रहते

» फ़र्ज़ी मरीजों के नाम पर्ची बनाकर डॉक्टर रश्मि ने महँगी दवाएं सप्लाई कराई

डॉ रश्मि गुप्ता की कई बार हुई शिकायत, निदेशक तक पहुंची, लेकिन मामला ठंडे बस्ते में कार्रवाई अब तक नहीं हुई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल,में भ्रष्टाचार की जड़ें काफी गहरी हैं। पिछले दिनों ईएसआईसी किदवईनगर में सुबह से ही डॉक्टर्स और स्टाफ के नदारद रहने की खबरों ने महकमे में हलचल मचा दी थी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ रश्मि गुप्ता ने सफ़ाई पेश की। दोषियों पर कार्रवाई को लेकर बयान दिया लेकिन ईएसआईसी अस्पताल में बीमित कर्मचारियों के इलाज़ को लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों में खुद डॉ रश्मि गुप्ता कठघरे में खड़ी नज़र आई हैं।

खास ख़बर

आरोप हैं कि डॉ रश्मि गुप्ता कभी अस्पताल समय पर नहीं आतीं हैं चूँकि वह खुद यहाँ सर्वेसर्वा हैं। उनपर यह भी आरोप है कि वे फ़र्ज़ी मरीजों के नाम पर 15-20 पर्ची बनाकर बड़ी तादाद में सरकारी दवाओं की निकासी करातीं रहीं हैं, जिसकी शिकायत ईएसआईसी निदेशक से भी की गई लेकिन निदेशन ने खानापूरी करके मामला ठन्डे बस्ते में डाल दिया।

भ्रष्टाचार को लेकर मुखर रहने वाले फार्मासिस्ट यशोवर्धन सचान ने इस घोटाले को उजागर करते हुए 23 जनवरी 2025 को कर्मचारी राज्य बीमा श्रम चिकित्सा सेवाएं, सर्वोदय नगर निदेशक को लिखित शिकायत भेजी थी। उन्होंने बताया कि चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गुप्ता स्वयं दवाओं की पर्चियाँ बनवाकर कर्मचारी वासुदेव शुक्ला के माध्यम से औषधि वितरण काउंटर तक पहुंचवाती हैं, जहाँ से दवाओं की निकासी के लिए दवाब बनाया जाता है।

शिकायत के परिणाम स्वरूप डॉ. हाशमी को इस मामले की जांच सौंपी गई।सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 7 फरवरी 2025 को उन्होंने मौके पर पहुँचकर जांच का दावा किया और खानापूरी कर दी गई। इसबीच बीमित कर्मचारी लगातार अस्पताल के चक्कर लगाकर सरकारी सिस्टम की बदहाली पर आंसू बहते रहे।

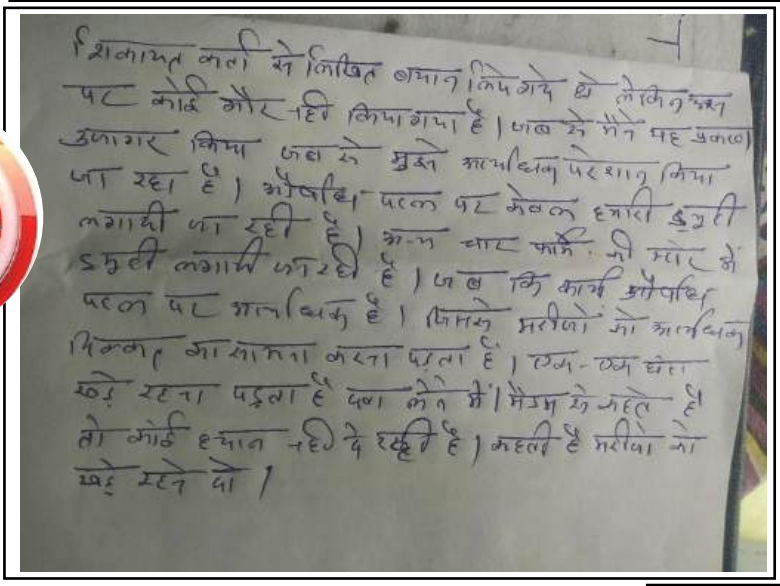

शिकायत कर्ता से लिखित बयान लिए गये थे लेकिन उस पर कोई गौर नहीं किया गया है। जब से मैंने यह प्रकरण उजागर किया तब से मुझे मानसिक परेशान किया जा रहा है। औषधि पटल पर केवल हमारी ड्यूटी लगायी जा रही है। अन्य चार फार्मे. की स्टोर में ड्यूटी लगायी जा रही है। जब कि कार्य औषधि पटल पर अत्यधिक है। जिससे मरीजों को मानसिक दिक्कत का सामना करना पड़ता है। एक-एक घंटा खड़े रहना पड़ता है दवा लेने में। मैडम से कहते हैं तो कोई ध्यान नहीं दे रही है। कहती है मरीजों को खड़े रहने दो।

कहने के लिए 5 फार्मासिस्ट, ड्यूटी का हिसाब नहीं

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ईएसआईसी किदवईनगर अस्पताल में 5 फार्मासिस्ट तैनात किये गए हैं। मानवेन्द्र तिवारी, विनोद तिवारी, अर्चना सचान, यशोवर्धन सचान, ज्योत्स्ना शुक्ला, इनमे 3 ईएसआईसी के हैं और 2 श्रम से हैं। 1 फार्मासिस्ट फिजिकली फिट न होने चलते सेवा देने में असक्षम हैं। लेकिन बिना सेवा के इनकी ड्यूटी जारी है। ड्यूटी के लिए कोई रोटेशन व्यवस्था लागू नहीं की गई है। फार्मासिस्ट यशोवर्धन सचान की औषधि वितरण में ड्यूटी है।

भ्रष्टाचार पर निदेशक गंभीर क्यों नहीं ?

ईएसआईसी निदेशक सुरेंद्र सिंह की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। सूत्रों के मुताबिक लगातार शिकायतें उन्हें भेजी गई, जांच को टीम गठित हुई बावजूद इसके अस्पताल में न बीमित कर्मचारी मरीजों को सहूलियतें मिलीं और न ही डॉक्टर और स्टाफ समय पर मुस्तैद दिखे। पूरे स्टाफ की मनमर्जी और लापरवाही जगजाहिर होती दिखी। इस मामले पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रश्मि गुप्ता ने सभी आरोपों को निराधार बताया , कर्मचारी राज्य बीमा श्रम चिकित्सा सेवाएं, सर्वोदय नगर, निदेशक सुरेन्द्र सिंह को बीमित कर्मचारी ने अस्पताल में पनपी खामियों की शिकायत की तो निदेशक का उत्तर ऐसा था मनो इससे उनका कोई मतलब न हो , हमारे संवाददाता ने फोन पर निदेशक से सम्पर्क करना चाहा तो फोन कॉल ऑटो वाइस मेसेज पर डाल दी गई।

यशोवर्धन सचान फार्मासिस्ट

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त से सख्त कदम उठाए जाएं

हर व्यक्ति ने ठाना है, आतंकवाद मिटाना है, जब आतंकवाद का नाश होगा, विश्व का विकास होगा।

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। पहलगाम, जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों ने जिस नृशंसता व कायरता से पर्यटकों को निशाना बनाया है,अत्यंत ही कष्टदायी व निंदनीय है। आतंकियों के इस दरिंदगी की जितनी भर्त्सना की जाए कम है।

केंद्र की मोदी सरकार से अपील है इस घटना के ज़िम्मेदार लोगों पर सख़्त कार्यवाई करें। संस्था की सचिव कंचन मिश्रा ने संस्था के सदस्यों में मुकेश पुरवार, अर्चना पुरवार, मयंक मिश्रा, सूर्यांश पुरवार सहित गायत्री फार्मा मेडिकल स्टोर रूरा चौराहे पर मोमबत्ती जला कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की शोक व्यक्त करते हुए कहा जो लोग अपनी खुशियों को मनाने छुट्टी बिताने पहलगाम गए थे। उनको ये नहीं पता था कि उनकी खुशियां अचानक मातम में बदल जाएगी।

नवविवाहिता जिसकी हाँथ की मेंहदी अभी छूटी तक नहीं उसका मांग का सिंदूर छूट गया। क्या बीत रही होगी उस पर। पति के साथ साथ किसी का बेटा, भाई व पिता इस दुनिया से चला गया। हम लोग उनको वापस तो नहीं ला सकते लेकिन अपनी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हैं ।

सेवा संस्था, आतंकी हमले के पीड़ितों व उनके परिजनों के साथ हैं। घटना में घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ व दिवंगत आत्माओं को शांति मिले ऐसी प्रार्थना हम सब करते है। और जल्द से जल्द उन आतंकियों को दंडित करे। इस अवसर पर सुशील त्रिवेदी आकांक्षा गुप्ता, सेजल, अक्षय, सत्या,रोहित कौशल पिंटू, सलमान, अहमद,ईशान आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

मलासा में 13 बीघा अरहर की फसल जलकर राख

» किसानों के अरमानों फिरा पानी
» रोते बिलखते रहे किसानों की मेहनत पर लगी आग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के मलासा गांव में बुधवार की दोपहर मे खेत में अरहर की फसल अवशेष मे संधिग्द परिस्थितियो में आग लग गई। आग का कारण का पता नहीं चल सका है। दोपहर के समय आग लगने के कारण तेज हवा के झोंके से आग में विकराल रूप धारण कर लिया। इससे आग ने आसपास खेतों मे पड़ी 13 बीघा अरहार की फसलो के साथ ही एक किसान वही अपने फसलों की रखवाली करते है। उनकी भी झोपडी जल कर खाक हो गई। जिसके उनके रखे बक्से में कभी समान जल गया है। आग बिकराल रूप ले लिया।आग जलती देख किसानो ने हरी झाडियो से आग बुझाने का प्रयास करने के साथ दमकल को सूचना दी। जबतक दमकल की गाड़ी पहुंचती आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा के झोंकों के साथ काफी खेत में रखी और खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया जिससे चारों तरफ किसानों के बीच हाहाकार मचा रहा। वही सूचना पर पहुंचे दमकल विभाग के कर्मचारियों ने किसानो के सहयोग से चार घंटे बाद आग पर काबू पा सके। तब तक करीब 13 बीघा खेतों मे पड़े अरहार की फसल अवशेष जलकर राख हो गई। लेखपाल नवनीत सचान ने बताया कि मलासा गांव के नदी गौशाला के पास खेत मे पड़े अरहार अवशेष अचानक संदिग्ध हालात में आग लगने से मलासा अनुज सिंह, आशुतोश सिंह, विमला देवी पुत्र बछराज सिंह,गोकरण सिंह मुन्नी देवी, छत्रपाल, विपिन आदि किसानों की अरहार की फसल में नुकसान पहुंचा है। लेखपाल नवनीत सचान ने बताया है कि किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाएगा।

कागजों में संचारी अभियान... दावा धराशाई

» गंदगी से मुक्त नहीं हो सके गांव अफसर बने अनजान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। एक तरफ उत्तर प्रदेश की सरकार लगातार स्वच्छ भारत मिशन अभियान लाखो करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रही है। लेकिन लेकिन फिर गांव गंदगी से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। जिला के जिला अधिकारी आलोक कुमार सिंह और सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन लगातार स्वच्छ भारत मिशन में जोर दे रही है। फिर कही कही अफसरों की साफ मनमानी अभी देखने को मिल रही है। विकास खण्ड झीझंक की गाऊपुर ग्राम पंचायत में गलियों में जलभराव होने से बीमारी का खतरा बना हुआ है।

शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। बीमारी फैलने की आशंका है। गाऊपुर निवासी प्रमोद शुक्ला, अवधेश, जगत अवस्थी ,लल्लन, शिव,राजेंद्र त्रिवेदी बब्बन,आयुष शुक्ला, विकास ने बताया कि सन्तोष शुक्ला के घर से शिव अवस्थी के घर तक लगभग 60 मीटर खड़ंजा और नाली क्षतिग्रस्त होने से तीन महीने से जलभराव बना हुआ है जिसकी शिकायत समाधान दिवस और ऑनलाइन दर्ज करा चुके है लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं किया गया है। एक तरफ जिला प्रशासन लगातार अफसरों के कड़े निर्देश भी दिए गए थे।जिसमे बीमारियां फैलाने की सम्भावना है तथा छोटे बच्चो बुजुगों महिलाओ को आवागमन मे दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने समस्या का समाधान कराए जाने की मांग की है।

कानपुर देहात के नए पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा ने संभाला कार्यभार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले को एक नया पुलिस अधीक्षक मिल गया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अरविंद मिश्रा ने आज औपचारिक रूप से कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनके द्वारा पुलिस कार्यालय में स्थित शाखों का निरीक्षण किया गया जिसमें मुख्य रूप से पत्र व्यवहार शाखा, आंकिक शाखा, अभियोजन शाखा, अपराध शाखा, आईजीआरएस शाखा, शिकायत प्रकोष्ठ, डीसीआरबी शाखा, मॉनिटरिंग सेल, बाल किशोर यूनिट, जन सूचना प्रकोष्ठ, विशेष जांच प्रकोष्ठ आदि शामिल हैं। उन्होंने पूर्व एसपी के स्थान पर पदभार संभालते हुए जिले में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने का भरोसा दिलाया।

पत्रकारों से रूबरू हुए नए पुलिस अधीक्षक-

पदभार ग्रहण के बाद श्री मिश्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और पुलिस की जनसहभागिता को बढ़ाना रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और आम जनता को सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया जाएगा। नए एसपी ने यह भी संकेत दिए कि वे थाना स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने और पुलिसिंग में तकनीकी सुधारों को प्राथमिकता देंगे। साथ ही, आम नागरिकों से संवाद और फीडबैक लेने की एक नियमित व्यवस्था शुरू करने की बात भी कही।

अरविंद मिश्रा की कार्यशैली रही है काबिले तारीफ-

अरविंद मिश्रा एक तेज-तर्रार और अनुशासित अफसर के तौर पर जाने जाते हैं। इससे पहले उन्होंने कई जिलों में अपनी सेवाएं दी हैं और अपराध नियंत्रण में उनकी कार्यशैली की सराहना होती रही है। कानपुर देहात की जनता अब उम्मीद कर रही है कि नए पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

सत्य बोलने में परहेज न करें भले ही आप पर कितना ही दबाव क्यों ना हो

असहमति से डरे नहीं मुँहतोड़ जवाब देना सीखें

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। जीवन समस्याओं और संघर्षों से भरा पड़ा है। हर कोई अपने अस्तित्व की रक्षा करने में जुटा है। साहस का जीवन सबसे उत्तम जीवन है। साहसी व्यक्ति की सबसे बड़ी पहचान होती है कि वह बिलकुल निडर और बेखौफ होता है। जो व्यक्ति निश्चय के समय किसी डर के कारण साहस से काम नहीं लेता उसे जीवन भर पछताना पड़ता है। यदि आप सबके साथ खुश हैं तो आपने दूसरों की कई गलतियों को नजर अंदाज किया है। उक्त कथन सिर्फ एक नैतिक सलाह नहीं है यह एक गहरी मनोवैज्ञानिक पड़ताल की माँग करता है। यह उन नकाबों को खींचता है जो हम तथाकथित अच्छा इंसान बनने के लिए पहनते हैं। हर किसी को खुश रखने की प्रवृत्ति एक मानसिक असुरक्षा से जन्म लेती है। यह स्वयं को स्वीकार न कर पाने की पीड़ा है। हम इस भ्रम में जीते हैं कि अगर सब खुश रहेंगे तो हम सही हैं। पर सच्चाई यह है कि जब आपके चारों ओर कोई भी असहमत नहीं है तब असल में आपने अपने आत्म-सम्मान की कीमत पर शांति खरीदी है और यह शांति नहीं, आत्म-समर्पण है। मानव मन सामाजिक है लेकिन जब यह सामाजिकता चापलूसी बन जाती है तब व्यक्ति अपने नैतिक मूल्यों से समझौता करता है। वह विरोध से डरने लगता है, उसे असहमति अपराध लगने लगती है और आलोचना व्यक्तिगत अपमान। तब वह समझौतों की एक लंबी सूची बनाता है जहाँ उसने अपने विचार नहीं रखे, जहाँ उसने अन्याय को चुपचाप देखा, जहाँ उसने अपने मन को मार कर दूसरों की इच्छाओं को पालना चुना। अगर आप हर किसी के साथ खुश हैं तो इसका अर्थ है कि आप किसी के व्यवहार से कभी आहत नहीं हुए या शायद आप आहत तो हुए, पर आपने उस पीड़ा को दबा दिया। आपने किसी की कठोरता को माफ नहीं किया बल्कि नजरअंदाज कर दिया। यह अनदेखी रिश्तों को मजबूत नहीं करती, उन्हें खोखला करती है। जो संबंध केवल चुप्पी पर टिके हों, वे वक्त के एक झटके में ढह जाते हैं। यह मानसिक प्रवृत्ति व्यक्ति को भीतर से खोखला करती है। वह हर किसी का हो जाता है लेकिन खुद का नहीं रह पाता।

अंततः वह एक ऐसा मुखौटा बन जाता है, जो हर चेहरे पर फिट बैठता है सिवाय अपने असली चेहरे के। समाज ऐसे लोगों को पुरस्कार देता है उन्हें समझदार, संयमी और मिलनसार कहता है पर यह पुरस्कार आत्मा की कब्र पर रखे फूल हैं। इस समाज में विरोध करने वाला अहंकारी कहलाता है और चुप रहने वाला सभ्य जबकि सच्चाई यह है कि असहमति का साहस ही मानसिक स्वतंत्रता की पहली सीढ़ी है। अब समय है कि हम सबको खुश रखने के रोग से बाहर निकलें। आत्म-सम्मान कोई विलासिता नहीं एक बुनियादी जरूरत है। जो दूसरों के व्यवहार पर मौन रहकर शांत रहता है, वह भीतर ही भीतर शोर में जल रहा होता है। हमें यह शोर सुनना होगा क्योंकि जो व्यक्ति सबको खुश रखने की कोशिश में लगा रहा है, वह अंततः खुद से दूर होता जा रहा है और जो व्यक्ति खुद से दूर हो गया, वह चाहे जितना मुस्कुराए, वह भीतर से टूटा हुआ ही होगा। अब वक्त है कि हम खुश रखने की नीति को चुनौती दें। असहमति से डरें नहीं, संवाद से भागें नहीं और अपनी आत्मा की आवाज को चुप न करें यही मानसिक क्रांति की शुरुआत है। अपने हक, अपने अधिकार के लिए खुलकर के बोले, असत्य को स्वीकार न करते हुए साहसपूर्वक जीवन निर्वाह करना चाहिए।

बेगुनाहों को श्रद्धांजलि देने के लिए जगह जगह कैंडल मार्च

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कश्मीर के पहलगांव में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की याद में आज श्री बर्तन उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च टेलियाना चौराहा से प्रारंभ होकर घंटाघर चौराहे तक निकाला गया।मार्च में बड़ी संख्या में व्यापारियों और आम नागरिकों ने भाग लिया और मोमबत्तियाँ जलाकर मृतकों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, महामंत्री पवन गुप्ता, कोषाध्यक्ष अजीत सिंह, पार्षद रजत बाजपेयी, पार्षद आदर्श गुप्ता समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने इस आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और सरकार से ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

भाजपा नेताओं ने निकाला कैंडल मार्च

मोतीझील स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिमा से लेकर मेडिकल कॉलेज तक भाजपा सांसद देवेन्द्र सिंह भोले की अगुवाई में कई पदाधिकारियों ने मार्च किया। इस दौरान हाथ में मोमबत्ती और तख्तियां लेकर आतंकवाद को लेकर नाराजगी जताई।

KK HOSPITAL & RESEARCH CENTER
हमारे चिकित्सालय में उपलब्ध सेवाएँ निम्नवत हैं
- सभी सुविधाओं से युक्त ऑपरेशन थियेटर।
- पूर्णतया स्वच्छ वार्ड।
- नार्मल डिलीवरी व ऑपरेशन द्वारा प्रसव की सुविधा।
- अनुभवी डॉक्टरों द्वारा सम्पूर्ण इलाज।
- हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा।
- जनरल सर्जरी की सुविधा।
- गुर्दे की पथरी का इलाज / पित्त की पथरी का आपरेशन
- हाइड्रोसील/हार्निया/बवासीर का आपरेशन
- सभी प्रकार की जांचों की सुविधा
- अनुभवी विशेषज्ञ हर समय उपलब्ध
ICU/NICU/Emergency की सुविधा 24x7 उपलब्ध
Contact No.: 7860510757
Dr. A.R. Katiyar
(MBBS, FEM MIMA)

लखनऊः ओशो नगर में आग से 36 झोपड़ियां राख, फटे 20 सिलिंडर

लपटों के बीच गृहस्थी बचाने भागते रहे अवैध बस्ती में रह रहे लोग

» आग का कारण बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट, 10 लाख से अधिक का हुआ नुकसान।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। कृष्णानगर इलाके के ओशो नगर एक प्लॉट में बनी झुग्गियों में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर 36 झोपड़ियां राख हो गईं। आग की आंच लगते ही झोपड़ियों में मौजूद लोग बाहर भाग निकले, जिससे उनकी जान बच गई। आग की चपेट में आने से झोपड़ियों में रखे गैस सिलिंडर एक के बाद एक फटने लगे, जिससे आग और भीषण हो गई।

सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के 15 फायर टेंडरों की मदद से करीब सात घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग झोपड़ियों के बगल में बने दो मकानों तक पहुंच गई, जिससे झोपड़ियों के साथ ही उन मकानों का भी पूरा सामान जल गया। आग लगने का कारण बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है।

भोला खेड़ा के पास स्थित ओशो नगर में राम बाबू का करीब चार बीघे का खाली प्लॉट है। उसमें कई साल से कूड़ा बीनने वाले झोपड़ियां बनाकर रहते हैं। मंगलवार रात को रोज की तरह लोग झोपड़ियों में परिवारीजन के साथ सो रहे थे। रात करीब दो बजे झोपड़ियों में आग लग गई, जिससे वहां चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते आग की लपटें सभी झोपड़ियों तक फैल गई।

लोग जिस हालत में थे, वैसे ही जान बचाकर बाहर भागे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झोपड़ियों में रखे करीब 20 गैस सिलिंडर फटे। धमाके के साथ सिलिंडरों के अवशेष हवा में दूर तक उछलकर गिरे। स्थानीय लोगों से सूचना पाकर आलमबाग फायर स्टेशन की टीम पहुंची और आग बुझाना शुरू किया, लेकिन आग की भयावहता को देख सीएफओ मंगेश कुमार ने जिले के सभी फायर स्टेशनों को अलर्ट कर दिया।

फायर ब्रिगेड की 15 टीमों ने करीब 7 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक झोपड़ियों में रखी सारी गृहस्थी जलकर राख हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि प्लॉट के पास लगे बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी निकली और उसी से झोपड़ियों में आग लग गई थी। वहीं, सीएफओ का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

जल गया दो मकानों में रखा सारा सामान

प्लॉट में बनी झुग्गियों में लगी आग की लपटें बगल में स्थित हरिराम वशिष्ठ और पंकज सिंह के मकानों तक भी पहुंच गई। आग लगने से मकान में लगे टाइल्स चटख गए और घर में रखा सामान, फ्रिज व अन्य घरेलू उपकरण भी जल गए। इसके अलावा झुग्गियों में रहने वालों से कबाड़ खरीदने वाले कबाड़ी ठेकेदार अंशु बजाज की बाइक और कमाल अली की स्कूटी भी जलकर राख हो गई।

ओशो नगर में राम बाबू के प्लॉट को चार ठेकेदार खुशी राम साहू, संजीव गुप्ता, अंशु बजाज और सुभाष गुप्ता ने किराए पर लिया था, जिसमें इन लोगों ने कूड़ा बीनने वाले कई परिवारों को झुग्गियों में बसाया था। वह लोग कूड़ी बीन कर ठेकेदारों को बेचते थे। कबाड़ के ढेर झोपड़ियों के बाहर ही रखे थे, इसीलिए आग ने थोड़ी ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया था। ठेकेदार संजीव गुप्ता ने बताया कि 36 झोपड़ियों में 81 लोग रहते हैं। आग लगने से सभी झोपड़ियां जल गई हैं। हर किसी की गृहस्थी तबाह हो गई है। आग से 10 लाख से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

अवैध रूप से बसाई गई थी बस्ती, कबाड़ ने मचाई तबाही

ओशो नगर में चार ठेकेदारों ने करीब 17 वर्षों से अवैध रूप से कूड़ी बीनने वालों की बस्ती बसा रखी थी। कारोबार का पंजीकरण करवाए बिना चारों ठेकेदार कबाड़ बेच कर लाखों का वारा न्यारा कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि प्लॉट में पहाड़ सरीखे कूड़े के ढेर तक आग पहुंचते ही ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगी थीं, जिससे पूरी बस्ती में आग फैल गई।

राख में तलाशते रहे गृहस्थी

आग बुझने के बाद वहां रहने वाले लोग राख के बीच अपनी गृहस्थी तलाशते रहे, लेकिन कुछ बचा नहीं। एहतशाम, रुकसाना और सर्वेश ने बताया कि धुआं से सांस फूली तो उनकी नींद टूटी। झोपड़ी से बाहर आए तो देखा कि कई झोपड़ियां आग की लपटों में घिरी हुई थीं। उसके बाद जो जिस हाल में था, बस बच्चों को लेकर जान बचाने के लिए भागा। रुपये व गृहस्थी सब आग की भेंट चढ़ गई।

कई बार लिखा जा चुका है बस्ती हटाने के लिए पत्र

आग लगने की जानकारी पाकर केसरी खेड़ा वॉर्ड के पार्षद जीतू यादव भी समर्थकों संग मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि बस्ती पूरी तरह से अवैध थी। उसे हटाने के लिए वह कई बार नगर निगम और जिला प्रशासन को पत्र लिख चुके हैं।

इसके अलावा स्थानीय लोगों ने बिजली के पोल के पास चिंगारी निकलने की बात बताई थी तो उन्होंने बिजली विभाग को भी अवगत करवाया था, लेकिन बिजली वालों ने सुध नहीं ली। नतीजतन बड़ा हादसा हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। सीएफओ का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

पहलगाम अटैक को लेकर सरकार बड़ा फैसला

भारत में नहीं रिलीज होगी अबीर गुलाल

पाकिस्तानी एक्टर की फिल्म पर गिरी गाज

» नई दिल्ली, एजेंसी।

पहलगाम में हुआ घातक आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में क्रोध और रोष देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर और पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की आने वाली फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज पर भी विवाद हुआ। अब खबर आ रही है कि भारत में फवाद की ये कमबैक बॉलीवुड रिलीज नहीं की जाएगी।

जिसके चलते अबीर गुलाल के मेकर्स को बड़ा झटका लगा है। वाणी और फवाद की ये मूवी अगले महीने 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। साल 2016 में निर्माता करण जौहर की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल के बाद से फवाद खान का इंडियन फिल्म इंडस्ट्री से पत्ता कट गट था। 9 साल के अंतराल के बाद फिल्म अबीर गुलाल के जरिए उनकी वापसी की उम्मीद सामने आई, लेकिन अब इस पर तलवार लटकती हुई नजर आ रही है।

दरअसल समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार सूचना एंव प्रसारण मंत्रायल भारत सरकार के एक करीबी सूत्र ने इस बात की जानकारी दी है कि अबीर गुलाल को अब भारत में रिलीज नहीं किया जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले को जहन में रखते हुए ये बड़ा कदम उठाया गया है।

गौर करें अबीर गुलाल की तरफ तो कुछ दिन पहले इस मूवी का टीजर रिलीज किया गया था, जिसमें फवाद खान और वाणी कपूर का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला। इसके बाद से ही इंडिया में इस मूवी की रिलीज को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया था। लेकिन अब पहलगाम टेरर अटैक के बाद अबीर गुलाल पर बड़ा प्रभाव पड़ा है।

बैन करने की मांग

दरअसल पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर एक तबका फवाद खान की अबीर गुलाल को बैन और रिलीज टालने के समर्थन में उतर आया। सिर्फ इतना ही नहीं एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बी एन तिवारी और इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक पंडित डंके की चोट पर इसके खिलाफ आवाज उठाई। जिसका नतीजा अब फिल्म की रिलीज पोस्टपॉन से मिल गया है।

बलरामपुरः मंदिर के पुजारी की गोली मारकर हुई हत्या

एक दिन पहले ढूंढते हुए आए थे दो युवक, जांच में जुटी पुलिस

» बलरामपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के बलरामपुर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां नगर कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत दिपवा बाग बांध निकट गुरुवार सुबह मंदिर पुजारी का शव पड़ा मिला। पुजारी की हत्या गोली मारकर की गई है। शव मिलने से मोहल्ले में सनसनी फैल गई। पुजारी को दो लोग बुधवार शाम के वक्त ढूंढने मंदिर गए थे। वे पुजारी का फोन नंबर उसके भाई से लाये थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुजारी के भाई ने तहरीर में एक व्यक्ति को नामजद किया है। जबकि घटना में कई लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। कातिलों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीम बनाई गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कोतवाली नगर के मोहल्ला खलवा के रहने वाले 28 वर्षीय शत्रोहन द्विवेदी उर्फ बाबू झारखंडी मंदिर स्थित राधाकृष्ण मंदिर में पुजारी थे। उनके पिता कृष्ण कुमार व भाई सेवक दास उर्फ मुन्ना पंडित भी वहीं पुजारी का काम करते हैं। सेवक दास के मुताबिक बुधवार शाम दो लोग मंदिर आए थे। जो बाबू के बारे में पूछताछ कर रहे थे। बाबू का मोबाइल नम्बर मांग रहे थे। उनका परिचय और बाबू से क्या काम है पूछने पर बिना बताए चले गए। सेवक दास ने उन्हें बाबू का फोन नंबर दे दिया था। रात में बाबू घर नहीं लौटे तो खोजबीन शुरू हुई लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका।

बुधवार रात बाबू के पिता कृष्ण कुमार द्विवेदी की तबीयत खराब हो गई थी उन्हें अस्पताल ले जाना था। सेवक दास ने रात डेढ़ बजे बाबू को फोन मिलाया तो स्वीच ऑफ मिला। खलवा मोहल्ला से दिपवाबाग की दूरी बमुश्किल 200 मीटर है। खलवा मोहल्ले के लोग दिपवाबाग निकट खेती किसानी का काम करते हैं। सुबह कुछ लोग खेत की ओर घूमने गए थे तो वहां उन्होंने बाबू का शव पड़ा देखा। घटना की सूचना सेवक दास को दी गई। बाबू के मृत पाए जाने की सूचना पर उनके परिवारीजन रोने विलखने लगे। मौके पर जाकर देखा तो शव का बाबू का ही था। सीने में सुराख था, उसके चारो ओर जलने के निशान थे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। शव को पोस्टमार्टम भेज पुलिस कातिलों की तलाश कर रही है।

24 घंटे के भीतर खुलासा कर गिरफ्तारी का निर्देश

सूचना मिलते ही प्रभारी कोतवाल संतोष कुमार, उप निरीक्षक अजीत कुमार, अर्जुन सिंह व अन्य पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। थोड़ी ही देर में सीओ सिटी ज्योति श्री फोरेंसिक टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंच गई। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए। वरिष्ठ नेता भुवन प्रताप सिंह व प्रवेश दूबे मोनू भी मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक विकास कुमार को दी गई। उन्होंने घटना राजफाश के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की हैं। 24 घंटे के भीतर घटना राजफाश कर गिरफ्तारी का निर्देश दिया है।

315 बोर तमंचे को सीने से सटाकर दागी गई गोली

पुलिस टीम ने झारखंडी मंदिर के निकट कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकाले हैं। जो लोग बाबू को बुलाने गए थे, उनकी पहचान भी पुलिस ने कर ली है। बताया जाता है कि अभियुक्तों ने बाबू को फोन किया तो पता चला कि वह मेजर चौराहे पर हैं। वहीं से उन्हें जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बैठाकर दिपवाबाग की ओर लेकर चले गए। घटना क्यों की गई इसका पता अभी तक नहीं चल सका है। बाबू को करीब से गोली मारी गई है। जानकारों की मानें तो 315 बोर के तमंचे को सीने से सटाकर फायर किया गया है।